कृषि प्रशिक्षण ले युवा हो सकते स्वरोजगार की राह पर अग्रसर

युवाओं के लिए कृषि क्षेत्र में रोजगार की हैं असीम संभावनाएं

संस, किशनगंज : युवाओं के लिए कृषि के क्षेत्र में रोजगार की असीम संभावनाएं हैं। अगर कोई भी युवा ईमानदारी पूर्वक कृषि प्रशिक्षण प्राप्त करता है तो इनके सामने रोजगार और स्वरोजगार के द्वार स्वयं खुल जाएंगे। युवाओं के कॅरियर को संवारने के साथ सही दिशा देने के लिए डॉ. कलाम कृषि कॉलेज और राहत संस्था के सहयोग से एक्सपोजर विजिट सह कृषि प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किए गए। यह बातें प्राचार्य विभूति भूषण झा ने पोठिया प्रखंड के अर्राबाड़ी स्थित डॉ. कलाम कृषि कॉलेज में प्रशिक्षण के दौरान कही।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में मौजूद बाएं से तीसरे वीबी झा, डॉ. फरजाना, आरसेटी निदेशक विवेकानंद चौधरी व जीविका पदाधिकारी अवधेश कुमार। ● जागरण

उन्होंने कहा कि इस प्रशिक्षण में किशनगंज, पूर्णिया और अररिया के 65 युवाओं को शामिल किया गया। प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद युवा अपने क्षेत्र में जाकर अन्य युवाओं को ऐसे प्रशिक्षण से संबंधित विस्तृत जानकारी दे सकते हैं। जिससे कि युवा संगठित होकर एक दूसरे को सहयोग देते हुए अपने गृह क्षेत्र में फसल उत्पादन, डेयरी, मुर्गी पालन, मछली पालन और समेकित कृषि प्रणाली से जुड़ सके। वहीं डॉ. फरजाना बेगम ने कहा कि युवा चाहे तो माली का प्रशिक्षण लेकर रोजगार से जुड़ सकते हैं। इसके लिए 45 दिनों का माली प्रशिक्षण दिए जाने की व्यवस्था है। यह प्रशिक्षण पूर्ण रुप से मुफ्त आवासीय प्रशिक्षण है। वैज्ञानिक डॉ. शमीम ने कहा कि रेशन के कीट पालन कर किसान अपनी आमदनी को चौगुना कर सकते हैं। जैविक खाद बनाकर ग्रामीण क्षेत्र में इसे बेच कर आय अर्जन भी कर सकते हैं।

इस दौरान मुख्य रुप से आरसेटी निदेशक विवेकानंद चौधरी, डीपीएम जीविका अवधेष कुमार, राजेन्द्र, मुर्शीद, सादिया, गौरव, एहसान, आजाद और यासमीन सहित कई लोग मौजूद थे।

युवाओं का हुआ एक्सपोजर कार्यक्रम

किशनगंज | संवाददाता

कृषि कॉलेज

- 45 युवाओं को दिया जाएगा नि:शुल्क प्रशिक्षण
- हरि ओम ने कृषि के क्षेत्र होने वाले विकास के बारे में बताया

राहत संस्था, कासा व डॉ. कलाम कृषि कॉलेज के तत्वावधान में सोमवार को कलाम कृषि कॉलेज परिसर में एक्पोजर विजिट कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कॉलेज के प्राचार्य कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे थे।

कार्यक्रम के दौरान राहत संस्था की सचिव डॉ. फरजाना बेगम ने कहा कि कृषि कॉलेज किशनगंज जिला सहित सीमांचल के जिलों के लिए एक वरदान है। युवाओं को कृषि के प्रति जागरूक करने व कृषि के क्षेत्र में रोजगार के नये अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से किशनगंज, अररिया व पूर्णिया जिले के युवाओं को एक्सपोजर करवाया गया। उन्होने कहा कि शिक्षा व गरीबी के कारण ही शोषण होता है। डा. कलाम विश्व विद्यालय में रोजगार की अपार संभावनाएं है। कार्यक्रम के जरिये युवाओं को 45 दिनों का मुफ्त आवासिय प्रशिक्षण दिया जाता है।

जिससे रोजगार के रास्ते खुल जाते हैं। उन्होने कहा कि यहां रेशम कीट पालन का सेंटर है। युवाओं को अनारस की खेती के बारे में भी बताया जायेगा। कृषि वैज्ञानिक डा. सोलंकी ने शिक्षा प्रशिक्षण के माध्यम से कृषि के बारे में कई अहम जानकारी दी। कृषि वैज्ञानिक हरि ओम ने कृषि के क्षेत्र होने वाले विकास के बारे में विस्तार पूर्वक बताया। कृषि वैज्ञानिक डॉ. डीपी साह ने कहा कि प्रशिक्षण के बाद युवाओं को कृषि के क्षेत्र में कई रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे।